# कोलकाता में तीन जहाज नौसेना में शामिल

रक्षा और समुद्री सुरक्षा | समाचार संदर्भ: भारतीय नौसेना में तीन जहाज़ शामिल, 21 जून 2026 | प्रकाशित: 18 अक्टूबर 2026

## पृष्ठभूमि और संदर्भ

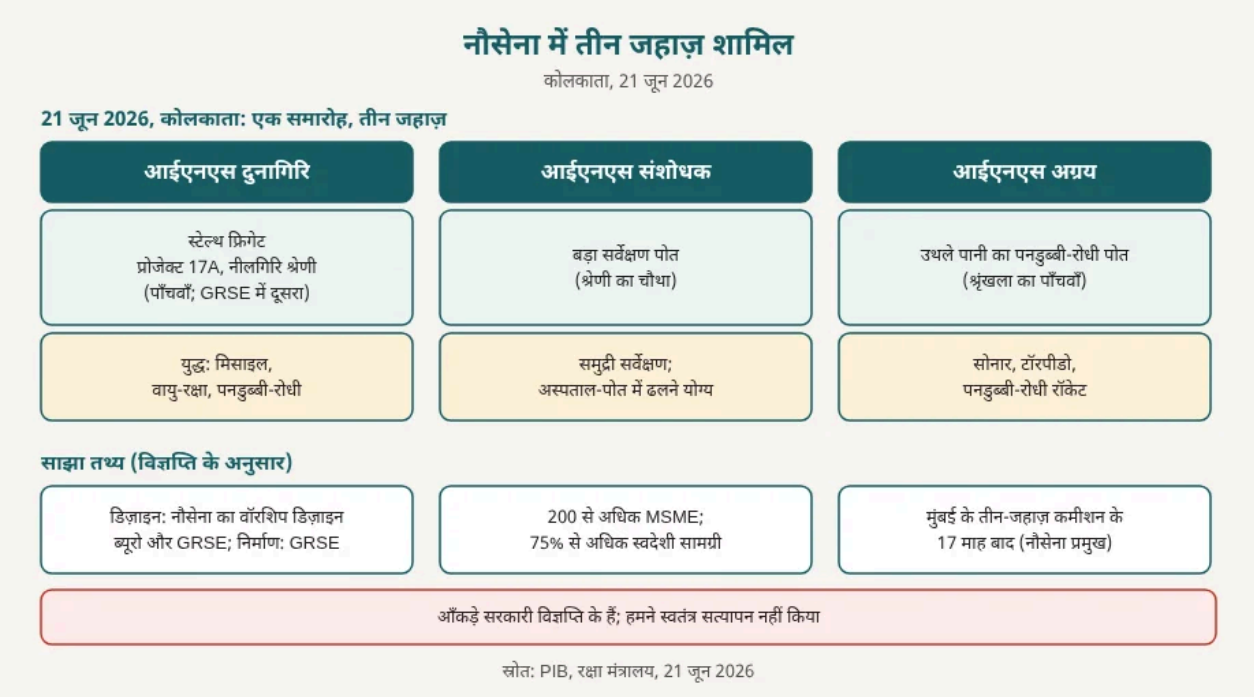
नौसेना में कोई जहाज़ “कमीशन” होने पर औपचारिक रूप से सेवा में आता है। उसी समारोह में राष्ट्रीय ध्वज पहली बार फहराया जाता है और कमीशनिंग पेनेंट खोला जाता है। इस बार एक ही समारोह में तीन अलग तरह के जहाज़ शामिल हुए, जो युद्ध, समुद्री सर्वेक्षण और तटीय पानी में पनडुब्बी-रोधी भूमिका के हैं।

## खबरों में क्यों

रक्षा मंत्रालय की विज्ञप्ति (PIB, 21 जून 2026) के अनुसार प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 21 जून 2026 को कोलकाता में आईएनएस दुनागिरि (स्टेल्थ फ्रिगेट), आईएनएस संशोधक (बड़ा सर्वेक्षण पोत) और आईएनएस अग्रय (उथले पानी का पनडुब्बी-रोधी पोत) को नौसेना में शामिल किया। नौसेना प्रमुख एडमिरल कृष्णा स्वामीनाथन भी समारोह में थे।

## मुख्य अवधारणा: संतुलित बेड़ा, केवल युद्धपोत नहीं

विज्ञप्ति तीनों जहाज़ों को “संतुलित, नेटवर्क वाली और मिशन-तैयार” शक्ति का हिस्सा बताती है। दुनागिरि उच्च-स्तरीय युद्ध के लिए है। संशोधक समुद्री आँकड़े जुटाता है, जिनसे संसाधनों के टिकाऊ उपयोग और नीली अर्थव्यवस्था में मदद मिलने की बात कही गई है। अग्रय तटीय पानी में पनडुब्बी की खोज के लिए है। यानी नौसेना की क्षमता केवल बड़े युद्धपोतों से नहीं, अलग-अलग भूमिकाओं के जहाज़ों से बनती है।




मौलिक प्रतीकात्मक चित्र: pcsmantra.com

## मुख्य तथ्य और आंकड़े

| | |
|---|---|
| **कार्यक्रम** | **तीन जहाज़ों का एक साथ कमीशन, कोलकाता, पश्चिम बंगाल, 21 जून 2026; प्रधानमंत्री मुख्य अतिथि (PIB, रक्षा मंत्रालय, 21 जून 2026)** |
| **आईएनएस दुनागिरि** | प्रोजेक्ट 17A की नीलगिरि श्रेणी का पाँचवाँ फ्रिगेट और इस श्रेणी का गार्डन रीच शिपबिल्डर्स एंड इंजीनियर्स (GRSE) में बना दूसरा जहाज़। सुपरसोनिक सतह-से-सतह मिसाइल, वायु-रक्षा प्रणाली, पनडुब्बी-रोधी क्षमता और हेलीकॉप्टर ले जाने की क्षमता। |
| **आईएनएस संशोधक** | बड़े सर्वेक्षण पोत (Survey Vessel Large) श्रेणी का चौथा जहाज़; चार सर्वे मोटर बोट; दो इंजन; विज्ञप्ति के अनुसार अस्पताल-पोत की तरह भी ढाला जा सकता है। |
| **आईएनएस अग्रय** | उथले पानी के पनडुब्बी-रोधी पोत (ASW SWC) श्रृंखला का पाँचवाँ जहाज़; सोनार, टॉरपीडो, पनडुब्बी-रोधी रॉकेट और कॉम्बैट मैनेजमेंट सिस्टम; वाटरजेट से चलता है। |
| **निर्माण** | तीनों जहाज़ नौसेना के वॉरशिप डिज़ाइन ब्यूरो और GRSE ने डिज़ाइन किए और GRSE ने बनाए। 200 से अधिक MSME की भागीदारी और 75 प्रतिशत से अधिक स्वदेशी सामग्री बताई गई है (विज्ञप्ति)। |
| **नौसेना प्रमुख का कथन** | नौसेना प्रमुख ने कहा कि मुंबई में आज़ाद भारत के पहले तीन-जहाज़ों के कमीशन के केवल 17 महीने बाद यह कोलकाता में हुआ (विज्ञप्ति में उद्धृत)। |
| **प्रधानमंत्री के कथन** | प्रधानमंत्री के अनुसार पिछले कुछ वर्षों में 40 से अधिक स्वदेशी युद्धपोत और पनडुब्बियाँ नौसेना में आईं और 45 बड़े जहाज़ निर्माणाधीन हैं। उन्होंने रक्षा उत्पादन 2014 में लगभग 40,000 करोड़ रुपये से बढ़कर अब लगभग 1.8 लाख करोड़ रुपये बताया। ये प्रधानमंत्री के भाषण के दावे हैं। |
| **जहाज़ निर्माण पर घोषणा** | प्रधानमंत्री ने समुद्री क्षेत्र के लिए 70,000 करोड़ रुपये के प्रोत्साहन पैकेज का उल्लेख किया (भाषण के अनुसार)। |

## तीन अलग भूमिकाएँ

**युद्ध-क्षमता: दुनागिरि:** नीलगिरि श्रेणी का फ्रिगेट बहु-भूमिका वाला है। विज्ञप्ति के अनुसार उसमें मॉड्यूलर निर्माण, मिसाइल, वायु-रक्षा, पनडुब्बी-रोधी हथियार और हेलीकॉप्टर की सुविधा है। विज्ञप्ति ने मिसाइलों के नाम या संख्या नहीं दिए।

**समुद्री सर्वेक्षण: संशोधक:** सर्वेक्षण पोत समुद्र की गहराई, तल और धाराओं के सटीक आँकड़े जुटाते हैं। विज्ञप्ति के अनुसार यह भारत की “महासागर” दृष्टि और मित्र देशों के लिए सर्वेक्षण में भी काम आएगा। प्रधानमंत्री ने बताया कि 21 जून विश्व जलमापन (हाइड्रोग्राफी) दिवस भी है।

**तटीय पनडुब्बी-रोधी: अग्रय:** उथले पानी में पनडुब्बी और बारूदी सुरंग का ख़तरा गहरे समुद्र से अलग होता है। इसके लिए छोटे, फुर्तीले जहाज़ चाहिए। विज्ञप्ति में इसे उथले पानी में पनडुब्बी-रोधी और खान-युद्ध की क्षमता बढ़ाने वाला बताया गया है।

## यह विषय क्यों मायने रखता है

**आत्मनिर्भरता और निर्माण-क्षमता:** विज्ञप्ति का मुख्य तर्क स्वदेशी डिज़ाइन और निर्माण है। 75 प्रतिशत से अधिक स्वदेशी सामग्री एक सरकारी आँकड़ा है; सामग्री के प्रकार की जानकारी विज्ञप्ति में नहीं है।

**हिंद महासागर में भूमिका:** विज्ञप्ति के अनुसार इन जहाज़ों से मानवीय सहायता, आपदा-राहत, नागरिकों की निकासी और समुद्री डकैती-रोधी कार्रवाइयों की क्षमता बढ़ेगी। विज्ञप्ति इसे हिंद-प्रशांत में भारत की “स्थिरता लाने वाली शक्ति” (stabilising

force) की भूमिका से जोड़ती है।

## बहस के बिंदु और सावधानियाँ

**विज्ञप्ति और भाषण का स्वर:** यह सरकारी विज्ञप्ति है और उसमें उपलब्धि का स्वर है। रक्षा उत्पादन और निर्माणाधीन जहाज़ों की संख्या प्रधानमंत्री के भाषण में दी गई है; उनका स्वतंत्र सत्यापन हमने नहीं किया।

**क्षमता बनाम तैनाती:** कमीशन होने का अर्थ है कि जहाज़ सेवा में शामिल हुआ। उसकी पूर्ण परिचालन तैनाती या किसी अभियान में उपयोग की जानकारी विज्ञप्ति में नहीं है, और हमारे पास भी नहीं है।

**स्रोत और सीमाएँ:** हमने केवल रक्षा मंत्रालय की PIB विज्ञप्ति पढ़ी (https://www.pib.gov.in/PressReleasePage.aspx?PRID=2276104&lang=1&reg=3)। जहाज़ों की लागत, विस्थापन और हथियारों के पूरे ब्योरे विज्ञप्ति में नहीं हैं और हमने नहीं जोड़े। कमीशन के बाद की स्थिति हमने नहीं जाँची।

**पूर्व लेख से अंतर:** हमारे प्रकाशित लेखों में इस कमीशन पर कोई लेख हमें नहीं मिला; खोज में दुनागिरि, संशोधक, अग्रय और GRSE से कोई परिणाम नहीं आया।

## आगे की राह

इस लेख की सभी बातें 21 जून 2026 की सरकारी विज्ञप्ति की स्थिति के रूप में पढ़ें। जहाज़ों की तैनाती, आगे के कमीशन और निर्माणाधीन जहाज़ों की प्रगति हमने नहीं जाँची।

## अवधारणा में अंतर

**चार बातें अलग रखें:** (1) विज्ञप्ति के तथ्य (जहाज़, श्रेणी, निर्माता, तारीख); (2) प्रधानमंत्री और नौसेना प्रमुख के कथन; (3) सरकारी आँकड़े जिनका हमने स्वतंत्र सत्यापन नहीं किया; और (4) हमारी व्याख्याएँ।

## मेंस दृष्टि

GS-III: रक्षा, आंतरिक और समुद्री सुरक्षा, स्वदेशीकरण; GS-II: हिंद महासागर में भारत की भूमिका। उत्तर में विज्ञप्ति के तथ्य और अपनी राय अलग रखें।

## UPSC CSE Mains शैली: मौलिक अभ्यास प्रश्न

**भारतीय नौसेना में तीन अलग श्रेणी के जहाज़ों के एक साथ कमीशन के आधार पर नौसेना की क्षमता-निर्माण और रक्षा में आत्मनिर्भरता का परीक्षण कीजिए।**

(उत्तर 150 शब्दों में दीजिए) | 10 अंक

### उत्तर की रूपरेखा

**भूमिका में:** कमीशन क्या है।

**मुख्य भाग में:** तीन जहाज़ और उनकी भूमिका; स्वदेशी निर्माण; हिंद महासागर में भूमिका; आँकड़ों की सीमाएँ।

**निष्कर्ष में:** तीन अलग भूमिकाओं के स्वदेशी जहाज़ों को संतुलित बेड़े और निर्माण-क्षमता से जोड़ें; कमीशन को पूर्ण परिचालन तैनाती न मानते हुए स्वदेशी सामग्री तथा उत्पादन के सरकारी दावों और उनकी सीमाओं को स्पष्ट रखें।

## स्रोत

- PIB, रक्षा मंत्रालय, प्रधानमंत्री ने कोलकाता में आईएनएस दुनागिरि, संशोधक और अग्रय को नौसेना में शामिल किया (21 जून 2026)

सभी तथ्य इस एक सरकारी विज्ञप्ति से हैं। वह सरकार का पक्ष है और भाषण के आँकड़ों का सत्यापन हमने नहीं किया।

**याद रखें:** रक्षा मंत्रालय की विज्ञप्ति के अनुसार 21 जून 2026 को कोलकाता में एक साथ तीन जहाज़ नौसेना में शामिल हुए: स्टेल्थ फ्रिगेट दुनागिरि, सर्वेक्षण पोत संशोधक और उथले पानी का पनडुब्बी-रोधी पोत अग्रय। निर्माण GRSE ने किया और 75 प्रतिशत से अधिक स्वदेशी सामग्री बताई गई है।